

# चीन में मिला शिकारी डायनासोर का करोड़ों साल पुराना जीवाश्म

बीजिंग

चीन में शिकारी डायनासोर का लगभग 120 मिलियन साल पुराना जीवाश्म मिला, जिसे वैज्ञानिकों ने जियान चांग्माएंसिस नाम दिया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह खतरनाक जीव दुनिया के सबसे डरावने विलोसिरेप्टर डायनासोर का रिश्तेदार था, लेकिन इसकी सबसे विशिष्ट पहचान इसके चार पंख और एक लंबी पूंछ थी। चीन के चांग्मा बेसिन में मिले इस बेहद अजीब जीवाश्म ने प्राचीन पारिस्थितिकी के एक बड़े रहस्य को उजागर किया है। यह जीवाश्म एक शिकारी डायनासोर का है। यह बाज की तरह ताकतवर उड़ान भरने में सक्षम नहीं था, बल्कि एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर उड़ती गिलहरी की तरह ग्लाइड करता था, अपने

शिकार पर अचानक झपट्टा मारने के लिए। चांग्मा बेसिन का यह इलाका सालों से प्राचीन पक्षियों के अजीबोगरीब जीवाश्मों के लिए जाना जाता रहा है। वैज्ञानिक लंबे समय से इस बात से हैरान थे कि इन पक्षियों को कौन सा शिकारी जीव दुनिया के सबसे डरावने विलोसिरेप्टर डायनासोर का रिश्तेदार था। अब इस नए मांसाहारी डायनासोर की खोज ने सदियों पुराने इस बड़े रहस्य को पूरी तरह सुलझा दिया है। फील्ड म्यूजियम की एसोसिएट क्यूरेटर जिंगमाई ओ कानर ने बताया, यह उस साइट पर मिला इकलौता मांसाहारी जीव है जो पक्षी नहीं था। यह खोज न केवल एक नए डायनासोर को दुनिया के सामने लाती है, बल्कि उस समय के खाद्य

श्रृंखला को भी समझने में मदद करती है। जियान चांग्माएंसिस नाम चीनी लोककथाओं के एक पंख वाले पौराणिक जीव से प्रेरित है। यह डायनासोर माइक्रोसेप्टर ग्रुप से संबंध रखता था, जिसके शिकारी जीव आमतौर पर कोंबे के आकार के बहुत छोटे और फुत्तीले होते थे। हालांकि, जियान चांग्माएंसिस अपने समूह के बाकी जीवों से आकार में काफी बड़ा था। वैज्ञानिकों को अभी तक इसके ऊपरी हाथ का केवल एक हिस्सा ही मिला है, जिसके आधार पर उन्होंने अनुमान लगाया है कि इस डायनासोर के पंखों का फैलाव करीब चार फीट का रहा होगा। यह आकार आज के समय के एक बड़े बारन उल्लू के बराबर है, जो इस जीव की प्रभावशाली शारीरिक संरचना को दर्शाता है।

बड़े आकार के बावजूद, यह अपने छोटे रिश्तेदारों जैसा ही दिखता था। शोधकर्ताओं के अनुसार, जियान की शारीरिक बनावट बहुत ही अजीब थी, जो इसे हवा में ग्लाइड करने में मदद करती थी। इसके आगे के दोनों हाथों पर बड़े पंख मौजूद थे, और इसके पीछे के दोनों पैरों पर भी छोटे पंख विकसित थे। इन चार पंखों की मदद से यह आसमान में ऊंची उड़ान भरने की ताकत नहीं रखता था, बल्कि जिंगमाई ओ कानर के शब्दों में, जियान असली उड़ान भरने में सक्षम नहीं था, बल्कि यह सिर्फ उड़ती गिलहरी की तरह ग्लाइड करता था। यह अपने शिकार पर अचानक ऊपर से झपट्टा मारता था, और इसके पंख हवा में संतुलन बनाने तथा दूरी तय करने के काम आते थे।

## न्यूज़ ब्रीफ

गोताखोर के अचानक सामने आ गई सबसे खतरनाक शार्क और फिर....



रोम। भूमध्य सागर की असीम गहराइयों में काम कर रहे एक गोताखोर के लिए हाल ही में एक ऐसा पल आया, जो किसी रोमांचक फिल्मी दृश्य से कम नहीं था। समुद्र की सतह से करीब 132 फीट से अधिक की गहराई पर एक डूबे हुए जहाज के मलबे के पास, पुराने और लावारिस पड़े मछली पकड़ने के जालों को हटाते समय एक गोताखोर का सामना अचानक दुनिया के सबसे खतरनाक समुद्री जीवों में से एक, विशाल ग्रेट वाइट शार्क से हो गया। यह अविश्वसनीय घटना तब हुई जब डूबे गोताखोर डर्क रेमर्स अपने साथी के साथ समुद्र में छोड़े गए पुराने और खतरनाक घोस्ट नेट्स (भूतिया जालों) को साफ करने के एक विशेष मिशन पर थे। ये लावारिस जाल अक्सर समुद्री जीवों के लिए जानलेवा साबित होते हैं और रेमर्स की टीम इन्हें हटाकर समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने का काम करती है। मई महीने के दौरान जब यह टीम गहरे पानी में मलबे की सफाई कर रही थी, तभी अचानक विशालकाय शार्क उनके बिल्कुल करीब आ गई। इस अप्रत्याशित दृश्य को देखकर कुछ पलों के लिए गोताखोर पूरी तरह हैरान रह गए। रेमर्स ने बाद में अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उस नाजुक वक़्त में उनके दिमाग का एक हिस्सा कह रहा था कि इसान आमतौर पर शार्क का शिकार नहीं बनते, लेकिन दूसरा हिस्सा बस यही दुआ कर रहा था कि शार्क को भी यह बात अच्छी तरह पता हो। हालात की गंभीरता और इस दुर्लभ पल के महत्व को समझते हुए रेमर्स ने तुरंत अपना वाटरपूफ कैमरा चालू कर दिया, क्योंकि उन्हें डर था कि यदि उन्होंने इसका वीडियो रिकार्ड नहीं किया, तो शायद बाहर आकर कोई भी उनकी इस हैरतअंगेज बात पर यकीन नहीं करेगा। खुशकिस्मती से कैमरे ने सही समय पर काम किया और यह ऐतिहासिक मुलाकात रिकार्ड हो गई। यह पूरा अभियान समुद्री संरक्षण के लिए काम करने वाली वैश्विक संस्थाओं हेल्दी सीज और घोस्ट डाइविंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में चलाया जा रहा था।

## अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन 2030 तक खत्म हो जाएगा

न्यूयार्क। पृथ्वी से करीब 400 किलोमीटर दूर अंतरिक्ष में स्थित इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। नासा ने 2028 से शुरू करके 2030 तक इसे सुरक्षित तरीके से धरती पर गिराने की अपनी योजना को सार्वजनिक किया है। इसके लिए नासा ने 1 अरब डालर (करीब 9500 करोड़ रुपए) का प्लान तैयार किया है। आईएसएस पिछले 25 साल से सबसे बड़ी अंतरिक्ष प्रयोगशाला के रूप में काम कर रहा है। आईएसएस निर्धारित उम्र पूरी कर चुका है। इसका कार्यकाल कई बार बढ़ चुका है। पिछले कुछ सालों से इसमें लगातार तकनीकी खामियां आ रही हैं। स्टेशन को सुरक्षित बनाए रखने पर अरबों डालर खर्च होते हैं। नासा अब अपने संसाधनों को चंद्रमा और मंगल मिशनों पर केंद्रित करना चाहता है। इसलिए आईएसएस को सामानजनक और सुरक्षित तरीके से रिटायर करने का फैसला लिया गया है। आईएसएस को एक यान से धरती के वायुमंडल में धकेलेंगे करीब 4.5 लाख किलोग्राम वजन की आईएसएस को यू ही पृथ्वी की ओर गिरने नहीं दिया जाएगा। 2028 के आसपास स्टेशन को कक्षा में बनाए रखने की प्रक्रिया धीरे-धीरे बंद कर दी जाएगी। विशेष अंतरिक्ष यान से उसे नियंत्रित तरीके से पृथ्वी के वायुमंडल में धकेला जाएगा।

श्रीलंका के पूर्व खुफिया प्रमुख पर ईस्टर बम धमाकों की साजिश रचने का आरोप, सरकार का बड़ा खुलासा



कोलम्बो। श्रीलंका सरकार ने वर्ष 2019 में हुए भयावह ईस्टर रविवार बम धमाकों को लेकर बड़ा दावा किया है। देश के जन सुरक्षा मंत्री ने आरोप लगाया है कि तत्कालीन खुफिया प्रमुख सुरेश सल्ले ने इन हमलों को निर्देशित करने में भूमिका निभाई थी। यह पहली बार है जब किसी वरिष्ठ सरकारी अधिकारी का नाम आधिकारिक तौर पर इस आतंकी हमले से जोड़ा गया है। गौरतलब है कि 21 अप्रैल 2019 को ईस्टर के दिन कोलंबो सहित कई स्थानों पर चर्चों और लम्बी होटलों को निशाना बनाकर सिलसिलेवार आत्मघाती बम धमाके किए गए थे। इन हमलों में 279 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 500 से अधिक लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे श्रीलंका को झकझोर दिया था और देश के पर्यटन उद्योग को भी भारी नुकसान पहुंचा था। जांच एजेंसियों के अनुसार, पूर्व खुफिया प्रमुख सुरेश सल्ले को पहले भी इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है।

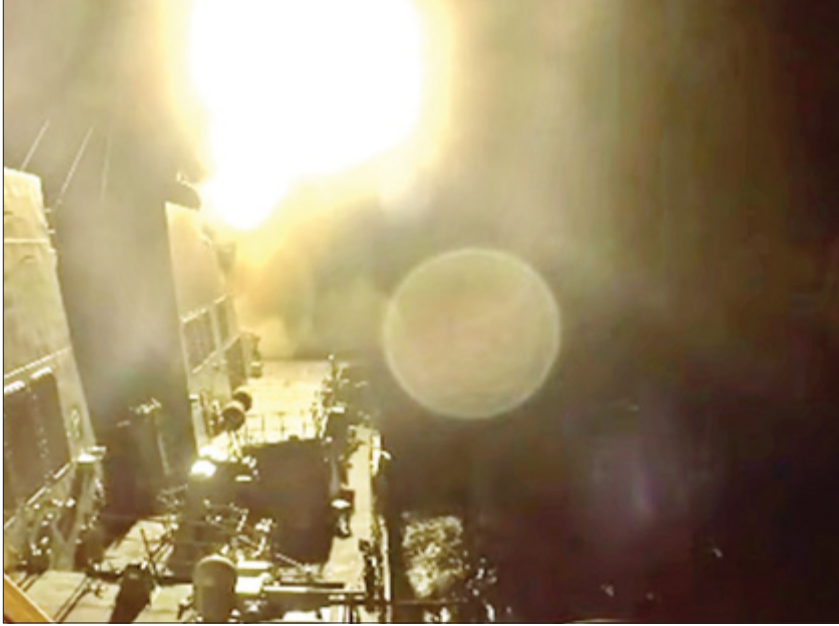
# ईरान, बहरीन, कुवैत पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार, होर्मुज बंद, अमेरिका की चेतावनी-अब सिर्फ बमों से होगी बात

तेहरान/वाशिंगटन/ कुवैत सिटी/ मनामा,

अमेरिका ने ईरान को दिन में तारे दिखा दिए हैं। अमेरिका की सेना इस समय भी ईरान पर मिसाइल और ड्रोन से से हमले कर रही है। ईरान ने भी होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करते हुए अमेरिका के साथी देशों बहरीन और कुवैत पर हमले शुरू कर दिए हैं। इससे समूचे मध्य पूर्व में सैन्य तनाव चरम पर पहुंच गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने ईरान पर फिर हमले किए हैं। तेहरान का कहना है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। ईरान के इस्लामिक रिबोल्यूशनरी गार्ड कार्पस (आईआरजीसी) ने गुरुवार सुबह कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद उसने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया। अमेरिकी मध्य कमान का कहना है कि आत्मरक्षा के लिए हमले जारी रहेंगे। सेंटकाम ने कहा कि अमेरिका ने रात भर पूरे ईरान पर ताजा हमले किए। इससे तीन महीने से चल रहे संघर्ष को खत्म करने की कोशिशें रुक गईं। तेहरान ने चेतावनी दी कि अब कोई जहाज होर्मुज से गुजर कर दिखाए। तेहरान ने कहा कि बहरीन और कुवैत में जहाजों और अमेरिकी संपत्तियों पर हमला किया गया है। वाशिंगटन ने कहा कि इस रणनीतिक जलमार्ग को बंद करने का दावा झूठा है। कमर्शियल टैंकर गुजर रहे हैं। कुवैत की सेना ने कहा कि देश पर लगातार हमले हो रहे हैं। वायु रक्षा प्रणाली ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रही है। आईआरजीसी ने कहा कि बहरीन पर भी हमला किया गया है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, अली और अहमद एयर फोर्स बेस पर अमेरिकी सेना के 18 महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया गया। शेष ईसा एयर बेस को उड़ा दिया गया है। बहरीन के गृह मंत्रालय गुरुवार सुबह कहा कि देश पर ईरान ने ड्रोन और मिसाइल से हमला किया है। उल्लेखनीय है कि बहरीन में अमेरिकी नौसेना का पांचवां बेड़ा तैनात है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हमने कल भी ईरान पर हमला किया था, आज उससे भी बड़ा हमला होगा। अमेरिका किसी को



## ईरान पर 22 देशों का आरोप, विरोधियों और पत्रकारों को निशाना बना रहा

ब्रिटेन। अमेरिका और ब्रिटेन सहित 22 देशों ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह विदेशों में रह रहे लोगों को धमकाने, उनका अपहरण करने और उन पर हमले की कथित साजिशों में शामिल है। इन देशों ने संयुक्त बयान जारी कर ऐसी गतिविधियों को तुरंत रोकने की मांग की है और अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सामूहिक प्रतिबद्धता जताई है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिबोल्यूशनरी गार्ड कार्पस (आईआरजीसी), उसकी कृदस फोर्स और खुफिया एजेंसियां कथित रूप से ईरानी सरकार के विरोधियों, पत्रकारों तथा यहूदी और इजराइली समुदाय से जुड़े लोगों को निशाना बना रही हैं। बयान में इन गतिविधियों को अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया गया है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि संबन्धित देश मिलकर इन खतरों का मुकाबला करेंगे और ईरान से अपेक्षा करते हैं कि वह ऐसी सभी कथित कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से बंद करे। इस बयान का समर्थन आस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नार्वे, पुर्तगाल और स्वीडन सहित कई यूरोपीय देशों ने भी किया है। सभी देशों ने अपने-अपने नागरिकों को सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करने की बात कही है।

भी नहीं डरता। जिस दिन चाहेगा, नेतृत्व का झंडा उठाने वालों का हथ्र सर्वोच्च नेता खामेनेई जैसा करेगा। ट्रंप के इस बयान के बाद अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदर अब्बास पर हमला किया है। इसके अलावा केशम द्वीप

और दक्षिण के शहर सिरिक और मिनाब में जोरदार धमाके हुए हैं। इस बीच अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने साफ किया है कि अब ईरान के साथ सिर्फ और सिर्फ बमों से बात होगी।

## सामूहिक गोलीबारी में 12 लोगों की मौत



जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में एक बार फिर सामूहिक गोलीबारी की बड़ी घटना सामने आई है। मंगलवार शाम देश के गौतेंग प्रांत में जोहान्सबर्ग के पूर्व में स्थित वलीवलेड इलाके की जंपर्स अनौपचारिक बस्ती में अज्ञात हमलावरों ने कई जगहों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक हमलावर एक सफेद टोयोटा व्हांटम वाहन में पहुंचे थे। वे बस्ती में दो अलग-अलग रास्तों से दाखिल हुए और कई स्थानों पर गोलीबारी करने के बाद उसी वाहन से फरार हो गए। अधिकारियों का मानना है कि इस हमले में 10 से ज्यादा लोग शामिल थे। घटना के बाद पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस फिलहाल हमले के कारणों की जांच कर रही है और अभी तक किसी महकूम की पुष्टि नहीं हुई है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब दक्षिण अफ्रीका पहले से ही हिंसक अपराधों की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। देश में औसतन हर दिन करीब 60 हत्याएं दर्ज की जाती हैं।

बीजिंग

चीन में एक सोशल मीडिया स्टार कुत्ते को पहले चुरा लिया गया और बाद में उसे एक रेस्तरां को बेच दिया गया। रेस्तरां के मालिक ने उसे काटकर मांस ग्राहकों को परोस दिया। करोड़ों में लोकप्रिय कुत्ते को लेकर इस तरह की घटना के सामने आने के बाद लोगों के बीच नाराजगी फैल गई है। इतना ही नहीं, इस घटना के बाद चीन में पशु संरक्षण कानूनों को लेकर बहस तेज हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चुट्टी नाम का यह कुत्ता चीन के प्रसिद्ध ट्वेल्व इन्सुलुएंसर गुओ का साथी था। चुट्टी अपनी यात्राओं और वीडियो के कारण सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय था तथा उसके करीब डेढ़ करोड़ फालोअर्स बताए जाते हैं। 11 मई को वह अचानक लापता हो गया था। उस समय वह गुओ के माता-पिता के पास रह रहा था। कुत्ते के गायब होने के बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज की जांच में दो लोगों को कुत्ते को अपने साथ ले जाते हुए देखा गया। इसी आए और उन्होंने चुट्टी का पता बताने वाले को 10 हजार युआन का इनाम देने की घोषणा की। पुलिस ने बाद में दोनों साक्ष्यों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कुत्ते को एक व्यापारी को मात्र 180 युआन में बेच दिया था। जांच आगे बढ़ने पर पता चला कि व्यापारी ने चुट्टी को एक रेस्तरां को बेच दिया था, जहां उसकी



हत्या कर उसका मांस ग्राहकों को परोस दिया गया।

आरोपियों का दावा है कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि चुट्टी कोई प्रसिद्ध कुत्ता है। उनका कहना था कि उन्होंने उसे आवादा समझा था, क्योंकि वह उनके बुलाने पर उनके साथ चला आया था। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए गुओ ने गहरा दुःख और नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि चुट्टी के गले में ट्रैकिंग डिवाइस लगा

हुआ था, लेकिन उसकी बैटरी समाप्त हो जाने के कारण उसका पता नहीं चल सका। बाद में उन्होंने कथित चोरों और रेस्तरां संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। इस घटना ने चीन में पशु अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में कुत्तों को मुख्य रूप से निजी संपत्ति के रूप में देखा जाता है और उनके संरक्षण के लिए कोई व्यापक राष्ट्रीय कानून मौजूद नहीं है।

# पीओजेके में पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह : नरसंहार का आरोप और भारी दमन



क्वेटा

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) भोषण विरोध प्रदर्शनों और सरकारी दमन की चपेट में है। एक प्रमुख जेएएस (संयुक्त सेना कार्रवाई समिति) नेता शौकत मीर ने सरकार पर नरसंहार करने और प्रदर्शनकारियों को गोली मारने देने के आदेश जारी करने का आरोप लगाया है। मीर ने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने रावलकोट में प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जबकि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण, अहिंसक और निहत्था था। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पाकिस्तान उन्हें आतंकवादी मानता है, तब पाकिस्तान ने उनसे बातचीत क्यों की, और यह भी स्पष्ट किया कि उनका संघर्ष सिर्फ बुनियादी अधिकारों के लिए है, न कि पाकिस्तानी सत्ता या राज्य के खिलाफ। इस दमन में हाहातों की संख्या पर विरोधाभासी रिपोर्टें सामने आ रही हैं। अधिकारियों ने कम से कम 11 लोगों (सात नागरिक और चार पुलिसकर्मी) की मौत और दर्जनों के घायल होने की पुष्टि की है, लेकिन जेएएस का दावा है कि 27

प्रदर्शनकारी मारे गए हैं, जबकि लोकल निवासियों का कहना है कि यह संख्या 100 से अधिक है। करीब 200 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। पूरे क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं निरालंबित कर दी गई हैं, जिससे पीओजेके दुनिया से कट गया है। प्रशासन ने दमन को तेज करने के लिए एनफोर्सिबल सेना के 14,000 तक अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की मांग की है। जेएएस 1947 के बाद मुख्य भूमि पाकिस्तान में बसे जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करने की मांग कर रही है। उनका आरोप है कि इन सीटों का इस्तेमाल पाकिस्तानी मुख्यधारा की पार्टियां क्षेत्र में सरकार गठन को प्रभावित करने के लिए करती हैं, और इन्हें हटाना अधिक स्वायत्तता के लिए महत्वपूर्ण है। जेएएस ने मंगलवार को पूरे क्षेत्र में हड़ताल का आह्वान किया है, जो 27 जुलाई को होने वाले संख्या पर विरोधाभासी रिपोर्टें सामने आ रही हैं। अधिकारियों ने कम से कम 11 लोगों (सात नागरिक और चार पुलिसकर्मी) की मौत और दर्जनों के घायल होने की पुष्टि की है, लेकिन जेएएस का दावा है कि 27

# चीन में लोकप्रिय कुत्ते की हत्या के बाद फैला आक्रोश

बीजिंग

चीन में एक सोशल मीडिया स्टार कुत्ते को पहले चुरा लिया गया और बाद में उसे एक रेस्तरां को बेच दिया गया। रेस्तरां के मालिक ने उसे काटकर मांस ग्राहकों को परोस दिया। करोड़ों में लोकप्रिय कुत्ते को लेकर इस तरह की घटना के सामने आने के बाद लोगों के बीच नाराजगी फैल गई है। इतना ही नहीं, इस घटना के बाद चीन में पशु संरक्षण कानूनों को लेकर बहस तेज हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चुट्टी नाम का यह कुत्ता चीन के प्रसिद्ध ट्वेल्व इन्सुलुएंसर गुओ का साथी था। चुट्टी अपनी यात्राओं और वीडियो के कारण सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय था तथा उसके करीब डेढ़ करोड़ फालोअर्स बताए जाते हैं। 11 मई को वह अचानक लापता हो गया था। उस समय वह गुओ के माता-पिता के पास रह रहा था। कुत्ते के गायब होने के बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज की जांच में दो लोगों को कुत्ते को अपने साथ ले जाते हुए देखा गया। इसी आए और उन्होंने चुट्टी का पता बताने वाले को 10 हजार युआन का इनाम देने की घोषणा की। पुलिस ने बाद में दोनों साक्ष्यों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कुत्ते को एक व्यापारी को मात्र 180 युआन में बेच दिया था। जांच आगे बढ़ने पर पता चला कि व्यापारी ने चुट्टी को एक रेस्तरां को बेच दिया था, जहां उसकी



हत्या कर उसका मांस ग्राहकों को परोस दिया गया।

आरोपियों का दावा है कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि चुट्टी कोई प्रसिद्ध कुत्ता है। उनका कहना था कि उन्होंने उसे आवादा समझा था, क्योंकि वह उनके बुलाने पर उनके साथ चला आया था। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए गुओ ने गहरा दुःख और नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि चुट्टी के गले में ट्रैकिंग डिवाइस लगा

हुआ था, लेकिन उसकी बैटरी समाप्त हो जाने के कारण उसका पता नहीं चल सका। बाद में उन्होंने कथित चोरों और रेस्तरां संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। इस घटना ने चीन में पशु अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में कुत्तों को मुख्य रूप से निजी संपत्ति के रूप में देखा जाता है और उनके संरक्षण के लिए कोई व्यापक राष्ट्रीय कानून मौजूद नहीं है।

# डिटेंशन सेंटर में इजरायली सेना करती है यौन उत्पीड़न : कैदी

## फिलिस्तीनी कैदियों की रूढ़ कपाने वाली दास्तान

राजा

इजरायली सेना द्वारा फिलिस्तीनी कैदियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न, उत्क्रम और अमानवीय यातनाओं को एक सोच-समझे हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का एक बेहद चौंकाने वाला और भयावह खुलासा हुआ है। एक हालिया खोजी डॉक्यूमेंट्री में जेल से छूटे कई फिलिस्तीनियों ने डिटेंशन सेंटरों के भीतर अपने साथ हुई बर्बरता की आपबीती बयान की है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के जजों, संयुक्त राष्ट्र और कब्जे वाले क्षेत्रों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत फ्रांसेस्का अल्वेनो ने भी इस बात की पुष्टि की है कि इजरायली सेना द्वारा फिलिस्तीनियों के खिलाफ यौन यातनाओं का यह प्रयोग व्यापक और व्यवस्थित पैमाने पर किया जा रहा है।



इस जांच में अल-बकरी और जाब (बदला हुआ नाम) नामक दो फिलिस्तीनी कैदियों ने अपनी पहचान छुपाते हुए इजरायली डिटेंशन सेंटरों के भीतर की जो सच्चाई बताई, वह

मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली है। गाजा के एक पूर्व सिविल सर्वेंट अल-बकरी ने अप्रैल 2024 में ईद-उल-फितर के दिन की घटना को याद करते हुए बताया कि उन्हें पूरी तरह

नग्न कर, आंखों पर पट्टी बांधकर और हथकड़ियां लगाकर रखा गया था। इस दौरान इजरायली सैनिकों और महिला अधिकारियों ने उनका यौन उत्पीड़न किया। जब कैदी दर्द से चिल्ला रहे थे, तो सैनिक हंस रहे थे और उनका वीडियो बना रहे थे। इतना ही नहीं, अधिकारियों के आदेश पर गार्ड ड्राग्स से उन पर हमला कराया गया और पेट के बल लेटाकर उनके ऊपर से कुत्ते गुजारे गए।

वहीं, गाजा के एक अन्य नागरिक जाब ने बताया कि महिला सैनिकों ने कमरे में घुसकर उसके हाथ-पैर बांधे और कुत्रिम वस्तुओं के जरिए उसका धिनीना यौन शोषण किया। इस कृत्य के दौरान आस-पास खड़े इजरायली सैनिक तालियां बजा रहे थे और पूरे दुष्कर्म का वीडियो रिकार्ड कर रहे थे। विशेषज्ञों के अनुसार, यौन हिंसा की ये घटनाएं नई नहीं हैं, लेकिन अक्टूबर 2023 के बाद से इनमें अप्रत्याशित तेजी आई है। मार्च 2025 में आई संयुक्त राष्ट्र की एक

रिपोर्ट में भी इजरायल द्वारा व्यवस्थित तरीके से लिंग आधारित और यौन हिंसा का इस्तेमाल किए जाने के पुष्टा सबूत मिले थे, जिसके बाद 2025 में संयुक्त राष्ट्र ने इजरायल को संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा की ब्लैकलिस्ट में डाल दिया था।

जुलाई 2024 में नेनेब रेगिस्तान के एक डिटेंशन कैंप से एक फिलिस्तीनी कैदी के सामूहिक दुष्कर्म का वीडियो लीक होने के बाद 10 इजरायली सुरक्षाकर्मियों को पकड़ा गया था। लेकिन इजरायल के दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारियों और सांसदों ने जेल पर हमला कर उन्हें छुड़ाने की कोशिश की, और बाद में सरकार ने सभी सैनिकों के खिलाफ आरोप हटा दिए। इस दुष्कर्म का वीडियो लीक करने वाली इजरायली मेजर जनरल यिफात तोमर-येरुशलमी को गिरफ्तार कर लिया गया। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने इस वीडियो के बाहर आने को देश के इतिहास का सबसे गंभीर पब्लिक रिलेशंस हमला करार दिया था।